व्याकरण
पद परिचय

कक्षा - दस

विषय- हिंदी

मोड्यूल-1/2

प्रस्तुतकर्ता:-

वेद प्रकाश शर्मा

परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय , नरौरा

पद परिचय

पद परिचय

पद-परिचय- वाक्यगत शब्दों के रूप और उनका पारस्परिक संबंध बताने में जिस प्रक्रिया की आवश्यकता पड़ती है वह पद-परिचय या शब्दबोध कहलाता है।

परिभाषा-वाक्यगत प्रत्येक पद (शब्द) का व्याकरण की दृष्टि से पूर्ण परिचय देना ही पद-परिचय कहलाता है।

* मेरा नाम क्षितिज है।
* मैं रायगंज में रहता हूँ।
* मैं शारदा विद्या मंदिर में पढ़ता हूँ।
* मुझे खेलना बहुत पसंद अच्छा लगता है।

- इस प्रकार अपने बारे में बताने को परिचय देना कहते हैं। जैसे हम अपना परिचय देते हैं, ठीक उसी प्रकार एक वाक्य में जितने शब्द होते हैं, उनका भी परिचय हुआ करता है।वाक्य में जो शब्द होते हैं,उन्हें 'पद' कहते हैं।उन पदों का परिचय देना 'पद परिचय' कहलाता है।

शब्द आठ प्रकार के होते हैं-

1.संज्ञा- भेद, लिंग, वचन, कारक, क्रिया अथवा अन्य शब्दों से संबंध।

- 2.सर्वनाम- भेद, पुरुष, लिंग, वचन, कारक, क्रिया अथवा अन्य शब्दों से संबंध। किस संज्ञा के स्थान पर आया है (यदि पता हो)।

3.क्रिया- भेद, लिंग, वचन, प्रयोग, धातु, काल, वाच्य, कर्ता और कर्म से संबंध।

4.विशेषण- भेद, लिंग, वचन और विशेष्य की विशेषता।

- 5.क्रिया-विशेषण- भेद, जिस क्रिया की विशेषता बताई गई हो उसके बारे में निर्देश।

6.संबंधबोधक- भेद, जिससे संबंध है उसका निर्देश।

- 7.समुच्चयबोधक- भेद, अन्वित शब्द, वाक्यांश या वाक्य।

8.विस्मयादिबोधक- भेद अर्थात कौन-सा भाव स्पष्ट कर रहा है।

संज्ञा का पद परिचय

संज्ञा का पद परिचय देते समय निम्नलिखित पहलुओं की जानकारी देनी चाहिए :--

1. संज्ञा का भेद
2. लिंग
3. वचन
4. कारक
5. क्रिया के साथ पद का संबंध

उदाहरण

अपूर्वा पत्र लिखती है।

अपूर्वा -- व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग,एकवचन, कर्ता कारक, 'लिखती है' क्रिया का कर्ता।

पत्र -- जातिवाचक , पुल्लिंग , एकवचन , कर्मकारक , 'लिखती है' क्रिया का कर्म।

सर्वनाम का पद परिचय

सर्वनाम का पद परिचय देते समय निम्नलिखित पहलुओं की जानकारी देनी चाहिए:-

1.सर्वनाम का भेद उपभेद

2.लिंग

3.वचन

4.कारक

5.क्रिया के साथ संबंध

उदाहरण

जैसे- 1. गोलू ने उसे बहुत मारा।

उसे --पुरूषवाचक सर्वनाम,अन्य पुरूष,उभय लिंग,एकवचन,कर्म कारक,'मारा' क्रिया का कर्म।

2 .मेघा और हम मेला देखने गए।

हम - पुरूषवाचक सर्वनाम,उत्तम पुरूष,पुल्लिंग,
बहुवचन, कर्ता कारक 'देखने गए' क्रिया का कर्ता।

विशेषण का पद परिचय

विशेषण का पद परिचय देते समय निम्नलिखित पहलुओं की जानकारी देनी चाहिए:-

1. भेद, उपभेद
2. लिंग
3. वचन
4. कारक
5. विशेष्य

उदाहरण

1.निशा दशवी कक्षा में पड़ती है

*दशवी- संख्यावाचक विशेषण , निश्चित संख्यावाचक विशेषण, स्त्रीलिंग , एकवचन , अधिकरण कारक, ‘कक्षा’ का विशेषण |

2. यह पुस्तक अप्पू की है।

* यह - सार्वनामिक विशेषण,स्त्रीलिंग, एकवचन,'पुस्तक' का विशेषण।

3. अथर्व बहुत शैतान लड़का है।

*बहुत प्रविशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक, 'शैतान' का विशेषण ।

*शैतान- गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, कर्मकारक, 'लड़का' का विशेषण ।